भूआकृतिक मानचित्र / स्थलाकृतिक मानचित्र
Topographical Map

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

रूढ चिन्ह (Conventional Signs)

स्थलाकृतिक मानचित्र में भिन्न-भिन्न भौतिक एवं सांस्कृतिक लक्षणों को भिन्न-भिन्न संकेतों की सहायता से प्रकट किया जाता है । इन संकेतों को रूढ़ चिन्ह या रूढ़ संकेत कहते हैं । इन चिन्हों का अर्थ समझे बिना स्थलाकृतिक मानचित्र की सही-सही व्याख्या करना असंभव है । कुछ स्थलाकृतिक मानचित्र में पाठकों की सुविधा हेतु नीचे की ओर मुख्य रूढ़ संकेतों की सूची बनी होती है । कुछ प्रमुख रूढ़ चिन्हों को चित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

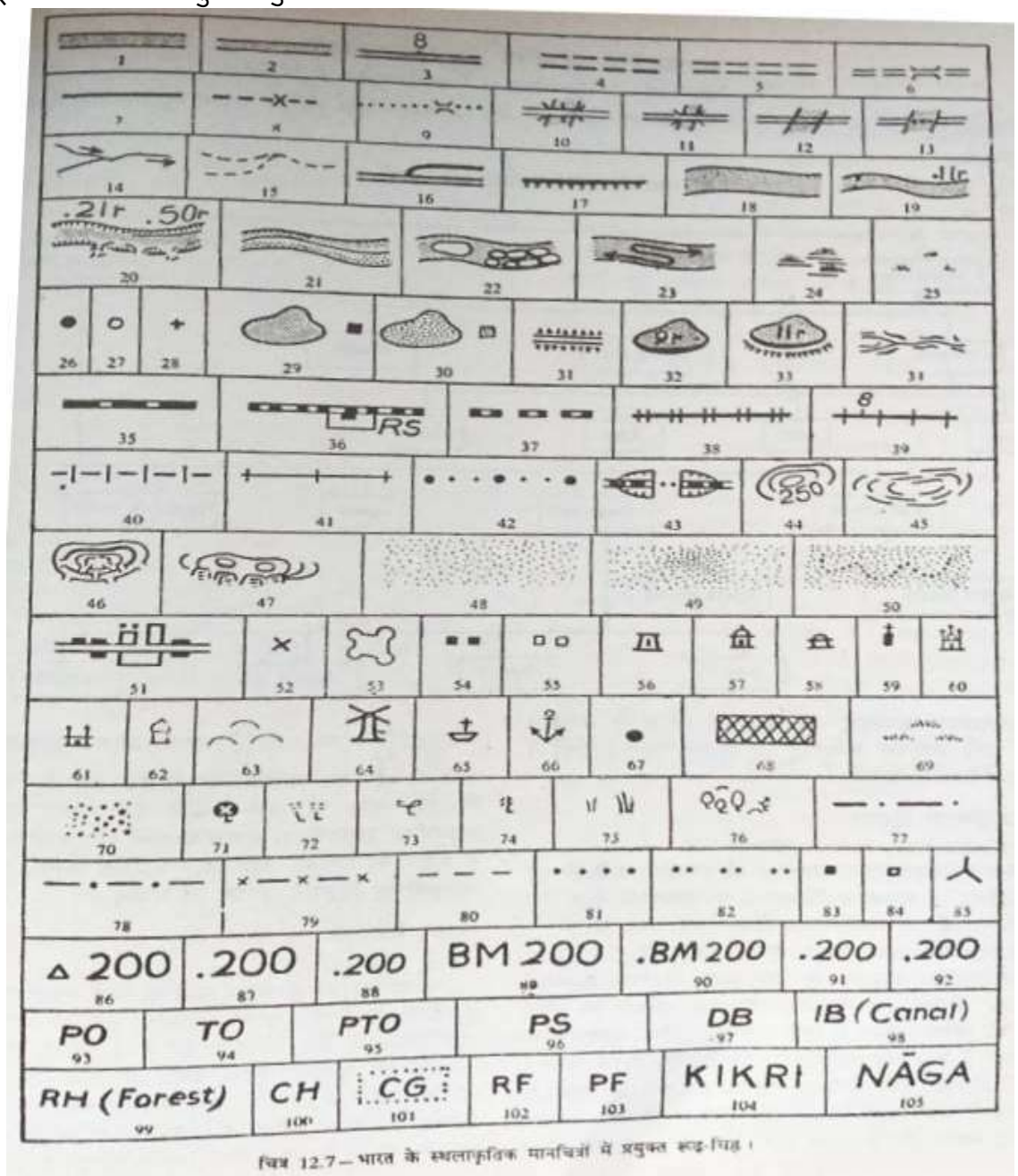

चित्र 12.7—भारत के स्थलाकृतिक मानचित्रों में प्रयुक्त रूढ़ चिह्न ।

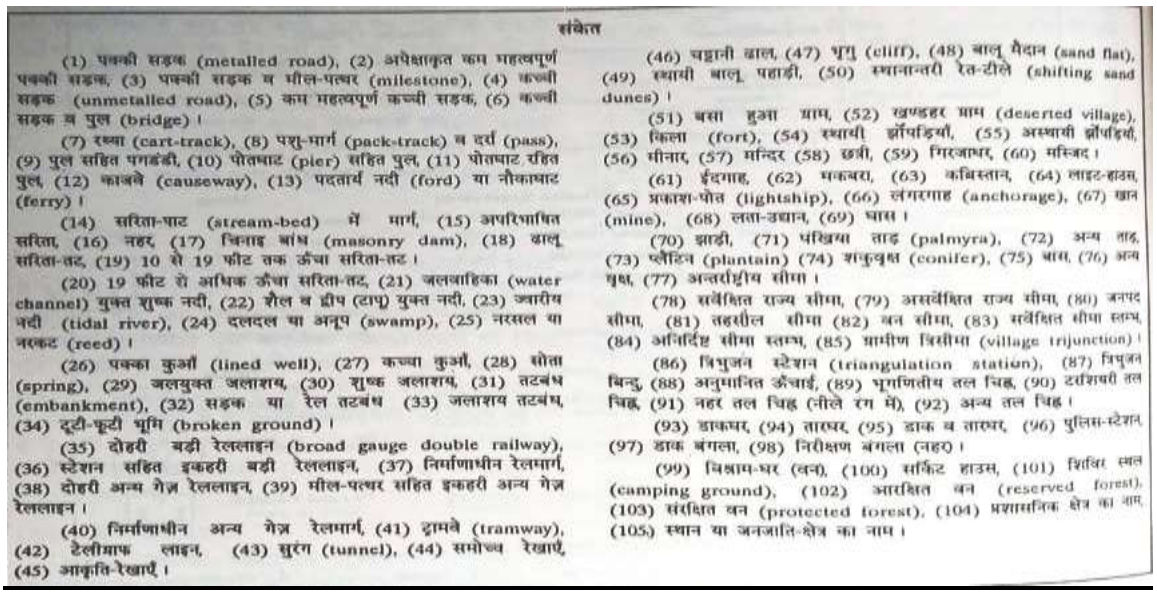

संकेत

(1) पक्की सड़क (metalled road), (2) अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पक्की सड़क, (3) पक्की सड़क व मील-पत्थर (milestone), (4) कच्ची सड़क (unmetalled road), (5) कम महत्वपूर्ण कच्ची सड़क, (6) कच्ची सड़क व पुल (bridge)।

(7) रथ्या (cart-track), (8) पशु-मार्ग (pack-track) व दर्रा (pass), (9) पुल सहित पगडंडी, (10) पोतघाट (pier) सहित पुल, (11) पोतघाट रहित पुल, (12) काजवे (causeway), (13) पदतार्थ नदी (ford) या नौकाघाट (ferry)।

(14) सरिता-पाट (stream-bed) में मार्ग, (15) अपरिभाषित सरिता, (16) नहर, (17) चिनाइ बांध (masonry dam), (18) ढालू सरिता-तट, (19) 10 से 19 फीट तक ऊँचा सरिता-तट।

(20) 19 फीट से अधिक ऊँचा सरिता-तट, (21) जलवाहिका (water channel) युक्त शुष्क नदी, (22) रौल व द्वीप (टापू) युक्त नदी, (23) ज्वारीय नदी (tidal river), (24) दलदल या अनूप (swamp), (25) नरसल या नरकट (reed)।

(26) पक्का कुआँ (lined well), (27) कच्चा कुआँ, (28) सोता (spring), (29) जलयुक्त जलाशय, (30) शुष्क जलाशय, (31) तटबंध (embankment), (32) सड़क या रेल तटबंध (33) जलाशय तटबंध, (34) टूटी-फूटी भूमि (broken ground)।

(35) दोहरी बड़ी रेललाइन (broad gauge double railway), (36) स्टेशन सहित इकहरी बड़ी रेललाइन, (37) निर्माणाधीन रेलमार्ग, (38) दोहरी अन्य गेज रेललाइन, (39) मील-पत्थर सहित इकहरी अन्य गेज रेललाइन।

(40) निर्माणाधीन अन्य गेज रेलमार्ग, (41) ट्रामवे (tramway), (42) टेलीमाफ लाइन, (43) सुरंग (tunnel), (44) समोच्च रेखाएँ, (45) आकृति-रेखाएँ।

(46) चट्टानी ढाल, (47) भृगु (cliff), (48) बालू मैदान (sand flat), (49) स्थायी बालू पहाड़ी, (50) स्थानान्तरी रेत-टीले (shifting sand dunes)।

(51) बसा हुआ ग्राम, (52) खण्डहर ग्राम (deserted village), (53) किला (fort), (54) स्थायी झोंपड़ियाँ, (55) अस्थायी झोंपड़ियाँ, (56) मीनार, (57) मन्दिर (58) छत्री, (59) गिरजाघर, (60) मस्जिद।

(61) ईदगाह, (62) मकबरा, (63) कब्रिस्तान, (64) लाइट-हाउस, (65) प्रकाश-पोत (lightship), (66) लंगरगाह (anchorage), (67) खान (mine), (68) लता-उद्यान, (69) घास।

(70) झाड़ी, (71) पंखिया ताड़ (palmyra), (72) अन्य ताड़, (73) प्लैंटिन (plantain) (74) शंकुवृक्ष (conifer), (75) बाँस, (76) अन्य वृक्ष, (77) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा।

(78) सर्वेक्षित राज्य सीमा, (79) असर्वेक्षित राज्य सीमा, (80) जनपद सीमा, (81) तहसील सीमा (82) वन सीमा, (83) सर्वेक्षित सीमा स्तम्भ, (84) अनिर्दिष्ट सीमा स्तम्भ, (85) ग्रामीण त्रिसीमा (village trijunction)।

(86) त्रिभुजन स्टेशन (triangulation station), (87) त्रिभुजन बिन्दु, (88) अनुमानित ऊँचाई, (89) भूगणितीय तल चिह्न, (90) टर्शियरी तल चिह्न, (91) नहर तल चिह्न (नीले रंग में), (92) अन्य तल चिह्न।

(93) डाकघर, (94) तारघर, (95) डाक व तारघर, (96) पुलिस-स्टेशन, (97) डाक बंगला, (98) निरीक्षण बंगला (नहर)।

(99) विश्राम-घर (वन), (100) सर्किट हाउस, (101) शिविर स्थल (camping ground), (102) आरक्षित वन (reserved forest), (103) संरक्षित वन (protected forest), (104) प्रशासनिक क्षेत्र का नाम, (105) स्थान या जनजाति-क्षेत्र का नाम।

ऊपर के दो चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा

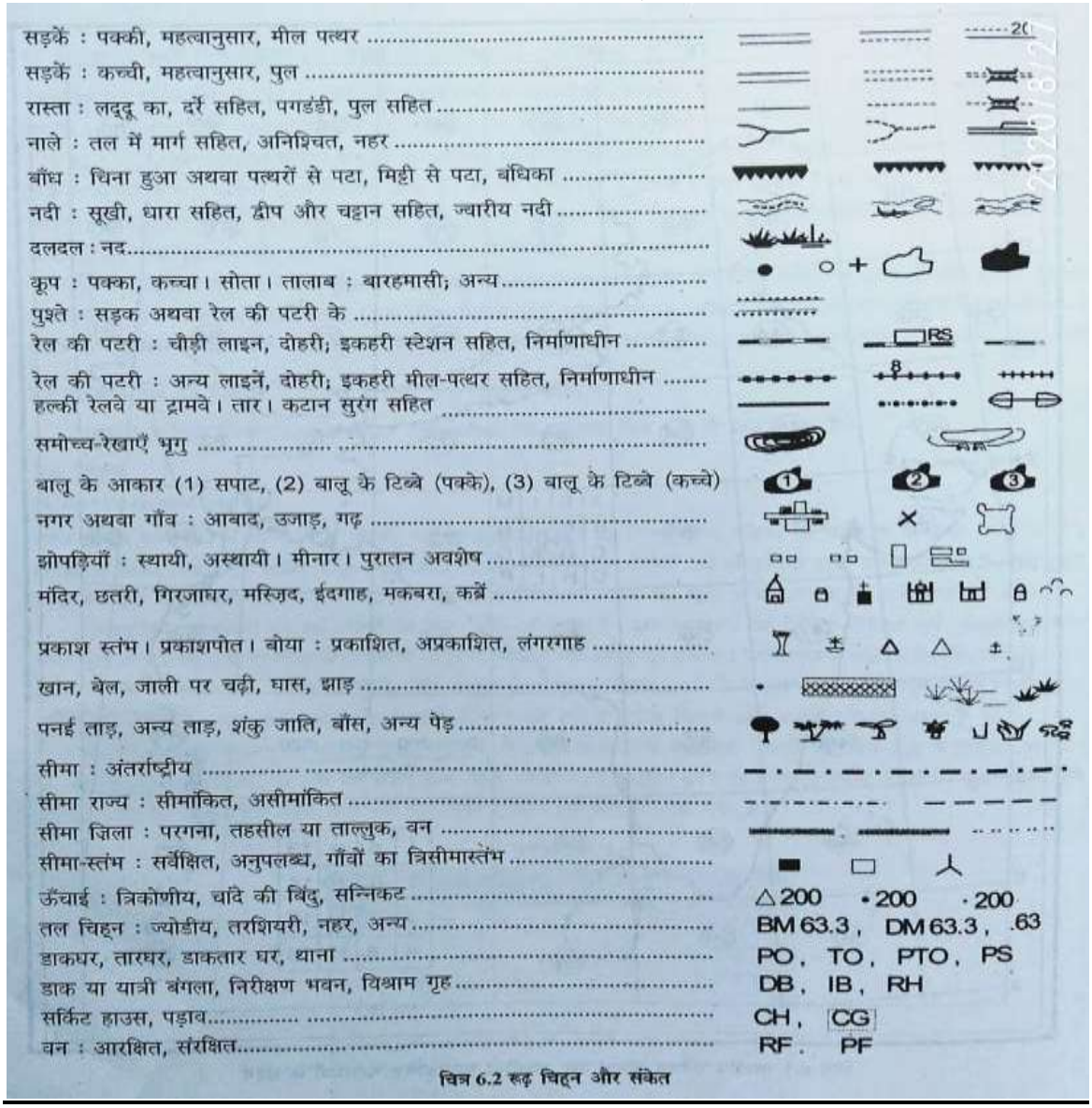

चित्र 6.2 रूढ़ चिह्न और संकेत

चित्र स्रोत: सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर

स्थलाकृतिक मानचित्र की अध्ययन विधि

स्थलाकृतिक अंशचित्रों में रूढ़ चिन्हों की सहायता से किसी क्षेत्र के निम्नलिखित भौतिक एवं सांस्कृतिक लक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है:

भौतिक लक्षण

उच्चावच: पर्वत, पठार, मैदान, अन्य
अपवाह तंत्र
वनस्पति

सांस्कृतिक लक्षण

मानवीय बस्तियां: ग्रामीण बस्तियां, नगरीय बस्तियां
परिवहन मार्ग: सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, वायुमार्ग
संचार
सिंचाई के साधन
अन्य

स्थलाकृतिक मानचित्रों का वैज्ञानिक विधि से अध्ययन करने के लिए उपरोक्त अंतर्वस्तु को अलग-अलग शीर्षकों में व्याख्या की जाती है ।

****

सन्दर्भ: प्रायोगिक भूगोल: जे पी शर्मा, सरस्वती भूगोल: डी आर खुल्लर

****